✻ वालीगण को ✻

- ✻ आप अपने बालक को मीलने हर महिने के 4th Sunday को आ सकते है। आप जब भी वालीमिलन के दिन तपोवन पधारे तब मोटाभाई–मासीबा को मीलकर अपने लाडकवाये का Progress जाने और Progress Report में आपकी Remark लीखकर Sign अवश्य करे।
- ✻ बालक के लिए कोई भी सूचन हों तो गृहपतिश्री एवं मोटाभाई–मासीबा को लिखीत में बतायें ।
- ✻ तपोवन में जब भी पधारे मर्यादापूर्ण वस्त्र में ही पधारे ।
- ✻ वालीमिलन के दिन आप अपने बालक को यात्रीको की भोजनशाला में ही खिला सकते है। Fruits के अलावा कुछ न खिलाये । Fruits के अलावा कुछ और खिलाते पाये गए तो संस्था द्वारा निर्धारित दंड जमा करवाना होगा । समय : शाम 3:00 से 4:30 तक ।
- ✻ बालक के पास खाने की चीज, रोकड, किमती चीज, मोबाईल, Cards, वीडीयोगेम, पेन–ड्राईव, कोस्मेटीक वस्तुए आदी ना रखे, यह संस्था के नियम विरुध्ध है ।
- ✻ संस्था के नियम अनुसार योग्य Reason होगा तो ही घर जाने की छुट्टी मीलेगी, उसके अलावा छुट्टी का कोई आग्रह न रखे । और छुट्टी के लिए पहले से Application देनी जरुरी है ।
- ✻ Next वालीमिलन दि. 27th August और दि. 24th September को है ।
- ✻ अभी भी कोई भी बालक की प्रथम सत्र की Fees या Leaving Certificate जमा करवाना बाकी हो तो तुरंत जमा करवाये ।
- ✻ बालक के Birth-Day पर आप चाहे तो लाभ ले सकते है ।

  सुबह नवकारशी – Rs.2100/-, दोपहर भोजन– Rs.4500/-

  अल्पाहार – Rs.1500/- गाय को लापसी/केले– Rs.500/-

  प्रभु को अंगरचना – Rs.500/-

  इसके अलावा तपोवन के सभी Students को धार्मिक उपकरण आदी बाँट सकते है ।
- ✻ आपको 9377770900 परसे Whatsapp आयेगा, Reply की अपेक्षा रखना नहीं ।
- ✻ बालक Related कोई भी Emergency काम हो तो सुबह 10:30 से 12:30 तक 9898191687 पर Contact करे । Birth-Day पर भी इसी नंबर पे रात 8:00 से 9:00 बजे के बीच बात कर सकते है ।
- ✻ दिवाली वेकेशन दि. 15 October से दि. 5 November तक रहेगा ।
- ✻ आप अपने बालक को कुरीयर करना चाहते हो तो...

बालकका नाम : ....

कक्षा : .... सी नं. : ....

तपोवन संस्कारधाम गुरुकुल विभागमें मिले,

C/o. शीतल फेब्रीक्स
सेन्ट्रल बेंक के पास, टावर रोड,
ता.जि. नवसारी.
पीन - 396445 (गुजरात).

C/o. पद्मावती ट्रेडर्स
दबगरवाड, ता.जि. नवसारी.
पीन - 396445 (गुजरात).
Mo. 9377312388

पर भेजे...

पहचान

साधना साधक को मोक्ष दिखाती है,
नम्रता व्यकित को श्रेष्ठ बनाती है,
जिज्ञासा जिज्ञासु को ज्ञानी बनाती है,
शान्ति ही मनुष्य का मनोबल बढाती है,
धर्म ही अधर्म का भान कराता है,
संघर्ष व्यकित को सबल बनाता है,
व्यवहार से व्यक्ति का मान बढता है,
उसी तरह वर्तन से ही
तपोवनी बालक पहचाना जाता है...।

PRINTED - BOOK
PACKET

प्रेषक : **तपोवन संस्कारधाम**

धारागिरि, नवसारी, पो. कबीलपोर. पीन-396424. गुजरात
मो. 9377770006 (श्री भाविनभाई)